बिरसा मुंडा

(जनजातीय गौरव)

संपादक

आलोक कुमार चक्रवाल

बिरसा मुंडा
(जनजातीय गौरव)

संपादक

प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल

कुलपति, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

सह-संपादक

प्रो. शैलेन्द्र कुमार

कुलसचिव, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

संपादक-मंडल

प्रो. प्रवीन कुमार मिश्र
विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

डॉ. घनश्याम दुबे
सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

डॉ. नीलकंठ पाणिग्राही
विभागाध्यक्ष
मानवशास्त्र एवं जनजातीय विकास विभाग,
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

डॉ. सुबल दास
सहायक प्राध्यापक
मानवशास्त्र एवं जनजातीय विकास विभाग,
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

किताबवाले

दिल्ली-110002

अस्वीकरण

इस पुस्तक में लिखे और व्यक्त किए गए सभी विचार लेखकों के हैं, प्रकाशक किसी भी जानकारी की मौलिकता और पुस्तक में निहित सामग्री या पुस्तक में व्यक्त किए गए विचारों के लिए कोई जिम्मेदारी या दायित्व नहीं मानता है।

शीर्षक : बिरसा मुंडा (जनजातीय गौरव)

सम्पादक: प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल, प्रो. शैलेन्द्र कुमार

© सम्पादक एवं प्रकाशक

संस्करण : 2022

ISBN : 978-93-90702-70-1

प्रकाशक :

किताबवाले
22/4735, प्रकाश दीप बिल्डिंग,
अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली-110 002

मुद्रक :

इन-हाउस (सैल्फ)
नई दिल्ली-110 002

अनुक्रमणिका

संदेश	सुश्री अनुसुईया उइके (माननीया राज्यपाल, छ.ग.)	(*iii*)
संदेश	धर्मेन्द्र प्रधान (माननीय मंत्री, भारत सरकार)	(*v*)
संपादक की कलम से		(*vii*)

1. **Birsa : Making of The Dharti Aba** — 1
   Sanjay Kumar Sinha
2. **Bhagwan Birsa Munda: A Tribal Hero of Indian Adivasis** — 10
   Kunal Kashyap, Priyanka, Subal Das
3. **The Ulgulan for Jal, Jangal and Jamin** — 14
   Vipin Tirkey
4. **Birsa Munda and his Political Vision** — 18
   Sudarshan Singh
5. **The Legend of The Ulgulan** — 24
   Payal Singh
6. **Fir Se Kareu Ulgulan Re: An Analysis of Nagpuri Song Dedicated to Bhagwan Birsa Munda** — 33
   Sirista Julita Meenz, Balram Oraon
7. **जनजातीय चेतना के महानायक बिरसा मुंडा** — 37
   प्रवीन कुमार मिश्रा
8. **बिरसा मुंडा और उनका आंदोलन : इतिहास लेखन, प्रकृति और प्रसांगिकता** — 44
   रितेश्वर नाथ तिवारी
9. **आदिवासियों के भगवान बिरसा मुंडा : एक अध्ययन** — 52
   शशिकांत पाण्डेय
10. **समकालीन संदर्भ में बिरसा मुंडा के चिन्तन की उपादेयता** — 61
    प्रमोद कुमार, संजय यादव

11. **भारतीय प्रतिरोध का जननायक : अमर शहीद बिरसा मुण्डा** 70
अतुल कुमार मिश्र, सीमा पाण्डेय

12. **आदिवासियों के जननायक बिरसा मुंडा तथा उनका धर्म** 78
अनिल कुमार ठाकुर

13. **''बिरसाइत'' धर्म के जीवन संस्कार संबंधित प्रथाएँ: एक मानवैसानिक अध्ययन** 86
शीला पुरती, अबु हुरैरा अंसारी

14. **बिरसा मुंडा एवं राष्ट्रवाद** 90
प्यारेलाल आदिले, मनहरण अनन्त

15. **बिरसा मुण्डा का धार्मिक चिंतन और बिरसा धर्म** 96
घनश्याम दुबे, गुलजार सिंह ठाकुर

16. **समकालीन भारत में बिरसा मुण्डा और उनके जीवन दर्शन की प्रासंगिकता** 101
बिजय प्रकाश शर्मा

17. **औपनिवेशिक भारत में बिरसा मुंडा का संघर्ष** 109
आशीष कुमार सिंह

18. **मुंडा जनजाति में स्वजगारण का द्योतक उलगुलान का स्वरूप** 115
अभिषेक कुमार तिवारी, घनश्याम दुबे

19. **जनजातियों में स्वचेतना का जागरण : बिरसा मुंडा** 122
सीमा पाण्डेय, गोविंद सिंह ठाकुर

20. **बिरसा मुंडा : सामाजिक-धार्मिक आन्दोलन के क्रांतिदूत** 127
घनश्याम दुबे, सचिन कुमार

21. **औपनिवेशिक भारत में बिरसा मुंडा का संघर्ष** 136
आचार्य प्रदीप शुक्ला, अमर नारायण

22. **बिरसा मुंडाः दीकु, संघर्ष तथा स्वर्ण युग की संकल्पना** 142
प्रदीप शुक्ला, परिवेश कुमार बर्मन

23. **आदिवासियों के उत्थान का मसीहा बिरसा मुंडा** 153
सीमा पाण्डेय, सुभाष कुमार

24. **भारत के प्रतिरोध का इतिहास एवं बिरसा मुंडा** 158
गणेश कोशले

19

जनजातियों में स्वचेतना का जागरण : बिरसा मुंडा

सीमा पाण्डेय*, गोविंद सिंह ठाकुर**

जनजाति का अर्थ वह सामाजिक समुदाय है जो राज्य के विकास के पूव अस्तित्व में था–जनजाति वास्तव में भारत के आदिवासियों के लिए इस्तेमाल होने वाला एक वैधानकि पद है, जो कि भारतीय संविधान में अनुसूचति जनजाति पद का प्रयोग इनके लिए हुआ है। जिसमें इनके लिए विशेष प्रावधान लागू किये गए हैं।

जनजातीय क्षेत्रों में उपनिवेशवादी व्यवस्था की स्थापना के विरुद्ध आदिवासियों के आन्दोलन अनेक चरणों में हुआ। पहला चरण (1795-1890) ईसवी में आदिवासियों ने अपने क्षेत्रों में ब्रिटिश राज्य और शासन पद्धति थोपने के प्रयास का डटकर मुकाबला किया। दूसरे चरण की शुरुआत (1890-1960) ईसवी में उपननिवेशवाद के आदिवासी व्यवस्था पर गहरे प्रभाव से हुई जिसके दौरान देसी भूमि व्यवस्था छिन्न-भिन्न हो गई। इस अवधि में ईसाई धर्म का भी आदिवासी समाज पर प्रभाव पड़ा। इन दोनों के सम्मिश्रण से एक तरफ भूमि सम्बन्धी आन्दोलन हुए तो दूसरी तरफ सांस्कृतिक पुनरुत्थान के भी आन्दोलन चलते रहे और कहीं-कहीं दोनों साथ साथ चले।

आदिवासी क्षेत्रों में ब्रिटिश शासन की स्थापना और दृढ़ीकरण के फलस्वरूप जनजातीय व्यवस्था को एक धक्का लगा। यद्यपि ब्रिटिश प्रशासकों में से कुछ आदिवासियों के हितों के लिए कार्य करते थे एवं उनके प्रति सहानभूति का रुख अपनाते थे। परन्तु शुरुआत में वे जनजातियों के अधिकारों और प्रथाओं के विषय में अंजान थे।

इन जनजातियों में स्वचेतना का अलख जगाने बिरसा मुण्डा नामक जननायक उभर कर सामने आया। इनका जन्म 15 नवम्बर 1875 में उलीहातू नमक स्थान पर हुआ। इनका प्रारंभिक शिक्षा जर्मन ईसाई मिशनरी के स्कूल में हुआ। शुरुआत में ईसाई मिशनरियों से प्रभावित होकर

* *सहायक प्राध्यापक*, इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
** *शोधार्थी*, इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)